

स्टीव स्त्राय ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में रचा इतिहास तोड़ डाला 99 साल पुराना महारिकॉर्ड



वेट लॉस ही नहीं डिप्रेशन से भी छुटकारा दिला सकता है चीकू

आलू की तरह दिखने वाला फल चीकू सपोटा के जल से भी जाना जाता है। चीकू में विटामिन-बी, विटामिन ई, पोटेशियम,फाइबर और मिनरल आदि प्रमुख मात्रा में पाए जाते हैं। जो शरीर को कई बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। चीकू खाने से त्वचा, दिमाग और पाचन अंग स्वस्थ रहता है। चीकू खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है। चीकू का हृद लाभा स्वास्थ्य लाभों से भरा है इसके पते, जड़ और छाल को औषधी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आप जानते हैं चीकू खाने से व्यक्ति को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

हड्डियां बनाए रखे मजबूत
चीकू में कैल्शियम, आयर्न और फास्फोरस भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर को हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है। चीकू का सेवन करने से गहरी और अच्छी नींद आती है। चीकू में मौजूद तत्व दिमाग में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं चीकू का सेवन डिप्रेशन को दूर करने के लिए भी किया जा सकता है।

डिप्रेशन में राहत
चीकू दिमाग को सेहतमंद बनाए रखने के साथ नींद न आने की समस्या को भी दूर करता है। चीकू का सेवन करने से गहरी और अच्छी नींद आती है। चीकू में मौजूद तत्व दिमाग में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं चीकू का सेवन डिप्रेशन को दूर करने के लिए भी किया जा सकता है।

एनर्जी
चीकू को एनर्जी का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को एनर्जी देने का काम करते हैं। (जिन लोगों को एनर्जी की कमी महसूस होती है उनके लिए चीकू का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

वेट लॉस
चीकू शरीर के मेटाबोलिज्म को तेज करता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को तबे साथ तब मुश्किल का अहसास नहीं होता और वेट लॉस में मिलती है। चीकू को दिन में किसी भी समय खाया जा सकता है। ये शरीर को तुरंत एनर्जी देने के साथ शरीर को मजबूत भी बनाता है।



कई सेहत गुणों से भरपूर है हरी मिर्च

हम आपको बता दें, कि हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे - विटामिन ए, बी6, सी, आयर्न, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है। यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, फ़ोलेट,फ़ास्फोरस, लुटेन -जैकॉनिथिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं।

रक्ताचाप को नियंत्रित करने में हरी मिर्च काफी फायदेमंद होती है। मधुमेह होने की स्थिति में भी हरी मिर्च में रक्ताचाप का स्तर नियंत्रित रखने में गूना होते हैं। हरी मिर्च में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जो किसी भी प्रकार के संक्रमण से शरीर और त्वचा को रक्षा करते हैं। यह त्वचा के लिए एंटी इन्फ्लेमेटरी मेडिसिन की तरह काम करती है। हरी मिर्च में भरपूर मात्रा में फ़िटोसैनि-सी होता है, जो रोगों के लड़ने की क्षमता में वृद्धि कर हमारी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। हरी मिर्च खाने के बाद आपको बद नाक का खुल जाना भी इसी का एक उदाहरण है।

केसर से लड़ने और शरीर को सुरक्षित रखने के लिए भी हरी मिर्च फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को आंतरिक क्षति के साथ ही फ्री रेडिकल से बचाकर केसर के खतरे को कम करती है। इसके सेवन से फेफड़ों के कैंसर का खतरा भी कम होता है। अंतः -धूम्रपान का सेवन करने वालों को हरी मिर्च को अपने भोजन में ज्यादा शामिल करना चाहिए, क्योंकि उन्हें फेफड़ों के कैंसर का खतरा सबसे ज्यादा होता है। हरी मिर्च को मुठ डुबरे के रूप में भी जाना जाता है। यह मसाला में एंटीऑक्सीडेंट का स्रोत करती है जिससे हमारा मुठ काफी हद तक खुशनुमा करने में मदद मिलती है। वजन घटाने में हरी मिर्च आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसका प्रमुख कारण है, कि हरी मिर्च में कैलोरी विद्युत् की मात्रा है। इसके प्रयोग से आप पोषक तत्वों को तो ग्रहण करते हैं, लेकिन शरीर को कैलोरी नहीं मिलती।

उम्र बढ़ते ही क्यों होती है पेट में सूजन और भारीपन की समस्या



लेडी-कैले उस बहती है बेसे-बेसी शरीर में कई तरह के बदलाव रहने को मिलते हैं। इन पर दुर्गुणा, खोब बाबा, लहसुन का मसाला जैसे सब्जी उस के अंग लक्ष्मी हैं। इसी के साथ-साथ लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं

भी होने लगती हैं। उस के एक पक्ष पर लोगों को मेडिटेशन, कर्मयोग में चर्च, धीरे धीरे, गर्दन चर्च, मांसपेशी में जान फुलने की प्रक्रिया का समझ करना पड़ता है। दुर्भाग्यवश में लोगों की शरीर को प्रभावित करने वाली हेल्थ कमीशन की एक सूची निम्न से संशोधित पायी गेट प्रमाण की भी एक बड़ी समस्या है। गुणा भाषा में इसे इसे वेट की सूजन भी कहते हैं। वेट की सूजन को मेडिटेशन भी कहते हैं और इसके कई बार कई लक्षण दिखाई नहीं देते लेकिन महसूस होते हैं। यहां हम आपको इस विचार के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

ब्लोटिंग का क्या कारण है?
आमतौर पर सभी एक बूझ के लोग राग-राग पर अपने पेट को फूल हुआ महसूस करते हैं। लेकिन एक उस के साथ ये समस्या बार-बार होने लगती है। पेट में सूजन जब होती है जब मेडिटेशन के कारण पेट में एक गैस से भर जाता है। यही गैस हमारे पेट को गंभीर हुआ, तब या गुना गुना महसूस करती है। अधिकांश पेट फूलना और पेट में गैसगड़गड़ सूजन के कुछ अन्य सामान्य लक्षण हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिसमें बारें में कई विकार हैं। कुछ लोगों को मामूली में इन्हीं

भोजन का स्वाद बढ़ाने और खाने में तीखापन लाने के लिए हरी मिर्च का उपयोग किया जाता है। अधिकतर लोग इसे अलग से खाने के साथ लेकर खाना भी पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं हरी मिर्च कई सेहत गुणों से भरपूर है। यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर और आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करती है।

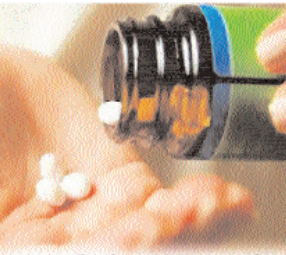
फिटिनिंग-ई से भरपूर हरी मिर्च हरी आपको त्वचा के लिए भी फायदेमंद होती है। यह आपको त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ ही कब्जा लाती है, जिससे त्वचा जवा और खुबसूरत दिखाई देती है। हरी मिर्च पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के खतरा को कम करती है। वैज्ञानिक द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार हरी मिर्च खाने से प्रोस्टेट की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाती है। दिल के लिए भी हरी मिर्च काफी फायदेमंद होती है। एक शोध के अनुसार हरी मिर्च से हृदय से संबंधित सारी बीमारियां ठीक हो जाती हैं। इस से रक्त में थक्कों की समस्या ठीक हो जाती है।

दूसरी हेल्थ कंडीशन्स
कुछ अन्य स्वास्थ्य स्थितियों को जवाबदा गृहपति में अमरीकी हैं, जो सूजन और बेचैनी का कारण बन सकती हैं।

- इन्फ्लेमेटरी बौल डिस्को
- लैक्टिक रोग • कोहन रोग
- मेडिटेशन के कारण प्रोलाहा रोग
- पेट दर्द • बड़ी आंत में सूजन
- अल्टेमेटरी बाउल डिस्को • मधुमेह

फेफड़ों के कारण बार-बार सूजन होती है। कुछ विशिष्ट फलों और सब्जियों में काइबरी की मात्रा काफी अधिक होती है जिसे पना पाता हर किसी के लिए आसान नहीं होता। पेट में फाइबर का पचाने में थोड़ी मुश्किल होती है, जिससे अक्सर पेट फूलने या सूजन की समस्या हो जाती है। यही वजह है कि कुछ लोगों के लिए ठीक से पचाना हुआ हरे भोजन करने की सलाह दी जाती है, जिसे वे अक्सर ही भूल सकते हैं। यदि ये समस्या गंभीर हो तो उन्हें ऐसे कुछ फलों से बचना चाहिए जो अक्सर सूजन का कारण बनते हैं।

पेट के एसिड में कमी
उम्र बढ़ने के साथ ही पेट में भोजन पचाने वाले एसिड की भी कमी हो जाती है जिससे दुर्गुणी का पेट फूलने लगता है। बता दें कि दुर्गुणी से उम्र बढ़ने के साथ ही फूड को डाइजेस्ट करने वाले एसिड पैन्क्रियास का उत्पादन लगभग 40 प्रतिशत कम हो जाता है। पैन्क्रियास की कमी से शरीर के लिए प्रोटीन को तोड़ना मुश्किल हो जाता है, जिससे लोग फूला हुआ महसूस करते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए लोगों को प्रोटीन के एनिमल वेज्स स्रोत का सेवन कम करना चाहिए।



दवाओं के असर को कम कर देती हैं ये चीजें

दवा लिखते समय डॉक्टर हमेशा उसे खाने के तरीके से लेकर समग्र तक के बारे में सलाह देते हैं। बावजूद इसके कई बार व्यक्ति अनजाने में दवा के साथ कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेता है, जो उसी फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगती हैं। दवा के साथ इन चीजों का सेवन शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डालने लगता है। कोई भी दवा लेते समय उसके साथ जुड़ी कुछ सावधानियां भी रखनी जरूरी हैं। खान-पान को कुछ चीजें दवाओं के असर को कम कर देती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कुछ ऐसी खास चीजों के बारे में जिन्हें दवा के साथ लेने की गलती भूलकर भी नहीं करनी चाहिए।

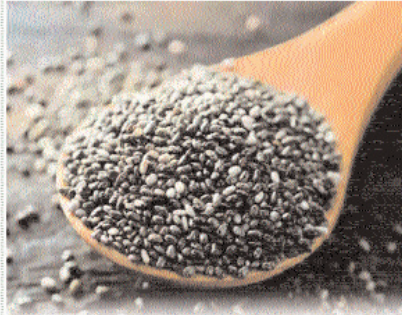
पेटेदार सब्जियां
हरी पेटेदार सब्जियों के रूप में भी पहचाना जाता है, कुछ दवाओं के अवशोषण और प्रभावशीलता को बाधित कर सकती हैं। केला, आंवरी और जैती सब्जियां विटामिन के का एक बड़ा स्रोत हैं। विटामिन के का अधिक सेवन वाहिरिन जैसी दवाओं के प्रभाव में बाधा डाल सकता है। बारंबारन का सेवन अपासर ब्लॉडिंग, रक्त के बहाव या अन्य रक्त संबंधी विकारों के जटिलम को कम करने के लिए किया जाता है।

शराब
दवा के साथ शराब का सेवन आपकी दवा के असर को कम करे के साथ आपकी सौंदर्य पर भी बुरा असर डाल सकता है। एक अतिथि में शराब और दवा का एक साथ सेवन करने से लीवर को काफी नुकसान हो सकता है और इससे लीवर से संबंधित अन्य विकार पैदा हो सकते हैं।

गिरमिट
भूमज फेफड़ी और शरीर के अन्य हिस्सों की नुकसान पहुंचाता है। भूमज आवांथी बीमारियों के प्रति रावेदनशील बनाकर आपको इम्यूनटी को भी कमजोर कर सकता भूमज आवांथी के द्वारा ही का रस दवा के अवशोषण, वितरण और प्रभाव में बाधा उत्पन्न कर सकता है।

एनर्जी ड्रिंस
एनर्जी ड्रिंस के साथ भी दवाई नहीं खानी चाहिए, यह दवाई डिग्लोव होने के दावा में बढ़ता है। साथ ही इससे आपकी बीबी पर बुरा प्रभाव डाल सकता है।

मुलेटी
मुलेटी का इस्तेमाल कुछ लोग पाचन के लिए हलत उठाकर के लीवर को खराब करते हैं। इसमें पाया जाने वाला



चिया सीड्स पोषक तत्वों के पावरहाउस हैं। ये वीग भरपूर मात्रा में फाइबर, प्रोटीन और दिल के लिए हेल्दी पॉलीअनसैचुरेटेड वसा से भरपूर होते हैं, जो इम्यूनटी को बढ़ाने के साथ आपकी हेल्दी रखते हैं। अक्सर आलावा, इन सुपर सीड्स को वेट लॉस के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है। इसे कैसे सेवन करना है, आपको इसके बारे में कुछ बातें जरूर जान लेनी चाहिए।

चिया सीड्स के पोषक तत्व
100 ग्राम चिया सीड्स में 16.5 ग्राम प्रोटीन, 42.1 ग्राम कार्ब्स, 34.3 ग्राम फाइबर, 30.7 ग्राम फैट और 0 ग्राम शुगर होता है। उच्च प्रोटीन, उच्च फाइबर पोषण रासायनिक बन पटाने के लिए इसे बहुत अच्छा बनाता है। जबकि को फाइबर रखने के साथ चिया सीड्स खाने से पेट भरा-भरा भी लगता है।

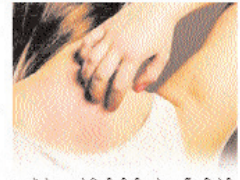
पोषक तत्वों के पावरहाउस हैं चिया सीड्स

चिया सीड्स के साथ वेट लॉस

चिया बीज जहां 100 ग्राम में 486 ग्राम कैलोरी होती है। कैलोरी हद इकाई है जो ऊर्जा को मापती है, जो शरीर के स्वास्थ्य कामकाज के लिए आवश्यक है। आसान शब्दों में, यह ऊर्जा है जो लोग अपने खाने-पीने के लिए ग्रहण करते हैं, जिसका उपयोग वे शारीरिक गतिविधियों को करने के लिए करते हैं। इसके अलावा वेट मैनेजमेंट में भी चिया सीड्स बहुत फायदेमंद हैं। जो लोग जंकफूड से ज्यादा कैलोरी का सेवन करते हैं, उनका वजन उच्च रहता है, क्योंकि शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी को बर्तन करना इतना आसान नहीं होता है।

चिया सीड्स के फायदे

चिया सीड्स हाई फाइबर और फाइबर के कारण वे वसावटी फाइबर नामक एंटीऑक्सीडेंट यौगिक हाई बंधन शरीर को कम करने में मदद कर सकता है। सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें अल्फा-लिनोलेनिक एसिड नामक एक ओमेगा -3 फैटी एसिड होता है, जो आपकी दिल की हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है जिन लोगों का शुगर लेवल हाई रहता है, उन्हें भी चिया सीड्स भी इस्तेमाल करना चाहिए। चिया सीड्स में मौजूद फैटी एसिड लोगों की जलन से राहत दिलाने में मदद कर सकता है और पानी पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है। चिया सीड्स को इमरान पाचन में भीगाकर ही इस्तेमाल करना चाहिए।



हम में से कुछ को किसी भी चीज से एलर्जी नहीं होती, जबकि कुछ लोगों को बहुत ही नम्रम चीजों से भी एलर्जी हो जाती है। अक्सर ये एलर्जी हमारे दैनिक सिस्टम का नुकसान न पहुंचाने वाली चीजों को तरह एलर्जीक रिस्पांस है। आप को कुछ भी खाने से या अनाइस करने से, यह उम्मा रिस्पांस भी हो सकता है। आमतौर पर गोंद, पौलन का जानसरी की बजह से यह एलर्जिक रिस्पांस हो सकता है। सास लेने या खाने के दौरान हमसे हमारा एक्जोजेनर होता है। आंखों से पानी आना या उम्मे खुजली होना, छींकें आना, नाक बहना, रोंहल, रेट पैकेज के साथ शरीर, थकान या बीमार महसूस करना वगैरह एलर्जी के सामना लक्षण हैं। गंभीर एलर्जिक रिस्पांस पूरी बीबी में दुर्गुण, खास गुलना, मूत्र में काला महसूस होना, डायी और पैर में थिथन वगैरह हैं।

दूसरी, एलर्जी रिस्पांस हैं
दूर एलर्जी - खाने की कुछ चीजों से एलर्जिक रिस्पांस के कारण पेट में दर्द, उलटी या अपचिया की

एलर्जिक तत्वों से बनाएं दूरी

शिकायत हो सकती है। कीड़े का काटना-मुचुकड़ी या किसी और चीजों के उक से सूजन, रोंहल या दर्द हो सकता है।

कॉमन एलर्जी
कैल्सीयम, पोटैशियम और एंजियमिन जैसी दवाइयां, कुछ खास तरह की भुजियां, धूल, पौलन, पीनट्स, भोज के कागज, छेदी लेंट, सैंड, या कोल टैम्बरेन्स, एक्जोजेनर का खाना तरह के इमरान से भी एलर्जी हो सकती है। एलर्जी के कारणों में दूध, नट्स, गोंद और एग्स सबसे कॉमन हैं।

आपको हो सकती है एलर्जी...
कैसे, एलर्जी किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन खाना में यह कॉमन है। आपके रिस्पांस में अगर किसी को एलर्जी है, तो यह आपको भी हो सकती है। कैसे, यह भी हो सकता है कि आपके रिस्पांस को एलर्जी हो, लेकिन आप इसके रिस्पांस न हैं। आपके आचरण का मातौल भी इनके लिए छापी यह एक रिस्पांस है। कुछ बच्चे, बच्चे, धूम्रपान, कमींस वगैरह में घर के पड़े, चार पोरह डालते हैं।

न्यूज गैलरी

भूपेंद्र क्लब की भूमि से हटाए गए दुकानदारों के परिवारों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट

सुका जिलाध्यक्ष नेमन ने प्रशासन से पुनर्वास की मांग की



मनेन्द्रगढ़ (असिबकावाणी समाचार)। बस स्टैंड स्थित भूपेंद्र क्लब की भूमि पर वर्षों से दुकानों के माध्यम से अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे 23 दुकानदारों को प्रशासन द्वारा हाल ही में हटाया गया। बुलडोजर चलाकर इन दुकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने जीवन यापन और रोजगार का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हाफिज मेमन ने प्रशासन से मांग की है कि सभी प्रभावित दुकानदारों को मानवीय दृष्टिकोण से देखते हुए पुनः उसी स्थान पर या समीप किसी स्थान पर वैकल्पिक दुकानें बनवाकर दी जाएं, ताकि वे अपने परिवार का जीवन-निर्वाह कर सकें। मेमन ने कहा कि ये दुकानदार लंबे समय से इस स्थान पर काम कर रहे थे और उनके पास आय का कोई अन्य स्रोत नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए इनके पुनर्वास की दिशा में शीघ्र कदम उठाना चाहिए।

सीजीपीएससी तैयारी में डूबे सपनों की कहानी पर एनआईटी छात्रों ने बनाई फिल्म

छत्तीसगढ़ी सिनेमा में नया प्रयोग: सरकारी अफसर वेब सीरीज में छात्रों के संघर्षों को दिखाया



कोरिया बैकुंठपुर - विलासपुर के गांधी चौक की तंग गलियों में सुबह की पहली किरण के साथ एक और दिन जागता है। चार बीघे के साथ उड़ती कितानों की खुशनु और छात्रों की आंखों में झलकते अपूर्व सपने। यही से शुरू होती है कहानी अखिलेश की जो एक किसान का बेटा है, जो अपने पिता की आंखों में छिपे सरकारी अफसर के ख्याल को पूरा करने गांव से शहर आया है। यह कहानी सीजीपीएससी तैयारी में डूबे सपनों की है। जिसपर एनआईटी रायपुर के पांच छात्रों ने वेब सीरीज बनाई है, जिसे 13 जून को यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा। सरकारी अफसर मंजिल नहीं शुरूआत है में प्रवेश के उन हजारों युवाओं की भावनाओं को स्वर देने का प्रयास किया गया है, जो सीजीपीएससी जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। यह वेब सीरीज सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि उन पड़कों की आवाज है, जो हर साल गांधी चौक की कोचिंग गलियों में भुंजी हैं। यह कहानी, अखिलेश और सुमन जैसे किरदारों के जरिए दर्शाती है कि कैसे सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक संघर्षों के बीच भी सपने मरते नहीं हैं, बल्कि और मजबूत होते हैं। अखिलेश, एक साधारण किसान परिवार से आया लड़का, अपने गांव से चलकर विलासपुर पहुंचता है। एक ऐसी जगह जिसे छात्रसमूह का 'मुखर्जी नगर' कहा जाता है। यहाँ उसकी मुलाकात होता है प्रीत और रवि से होती है, जो पहले से ही परीक्षा की तैयारी कर रहे होते हैं। वही उसकी दिशा भी बनते हैं और साथी भी। कोचिंग की दीवारों के बीच अखिलेश की



मुलाकात सुमन से होती है। एक अनजान लड़की जो अपने दत्तक परिवार की उपेक्षा और तानों में जूझते हुए खुद को साबित करना चाहती है। धीरे-धीरे, दोनों के संघर्ष एक दूसरे से जुड़ जाते हैं और उनका रिश्ता भी। वे सिर्फ दो लोगों की प्रेम कहानी नहीं, बल्कि दो इच्छाओं की साक्षी उठते हैं। एनआईटी के छात्र दिव्यांश सिंह व उनकी टीम ने इस वेब सीरीज को तैयार किया है। जिसे साईं भूष्य ने निर्देशित किया है। कलाकारों में हैं फूफू के नाम से पहचाने जाने वाले अनिल मिश्रा है। साथ ही कविर की वैष्णवी जैन, अमन सागर, हर्षवर्धन पटनायक, क्रांति दीक्षित, सुरेश गौड़ और विक्रम राज जैसे चर्चित चेहरे सरकारी अफसर का हर एपिसोड करीब 20-25 मिनट का है और इसे सामाजिक रूप से चैनल पर रिलीज किया जाएगा। पहले एपिसोड का नाम ही है छत्तीसगढ़ी लोकभाषा और स्थानीय परिवेश में गुंथकर वेब सीरीज में प्रस्तुत करने का प्रयास है। यह उन युवाओं की कहानी है, जो हारने से पहले लड़ना सीखते हैं।

आर्थिक कारण को लोक स्वास्थ्य पर प्राथमिकता नहीं - कलेक्टर पीएचडी को कार्यालय और प्रयोगशाला हेतु मांगलिक भवन का प्रथम तल आवंटित

मनेन्द्रगढ़ (असिबकावाणी समाचार)। एससीबी कलेक्टर ने जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत नई लेदरी स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर मांगलिक भवन के प्रथम तल को कार्यालय कार्यालयन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेन्द्रगढ़ को नवीन भवन निर्मित होने तक कार्यालय एवं जिला प्रयोगशाला संचालन हेतु आवंटित किए जाने का आदेश पारित किया है। यता कि कार्यालयन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेन्द्रगढ़ द्वारा नगर पंचायत नई लेदरी स्थित मांगलिक भवन के प्रथम तल को कार्यालय एवं जिला प्रयोगशाला प्रयोगशाला प्राप्त नहीं हुआ है। यदि कार्यालय एवं प्रयोगशाला की स्थापना हेतु भवन नहीं दी जाती है तो न केवल नगरीय निकाय नई लेदरी अर्थात् संयुक्त जिला अंतर्गत परीक्षण रहित होगा। अभाव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के खतरे में रहेगी। कलेक्टर ने कहा कि आर्थिक कारण को संयुक्त जिले के

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेन्द्रगढ़ की स्थापना नई लेदरी स्थित मांगलिक भवन के प्रथम तल आवंटित किया जा रहा है। यह कार्यालय एवं प्रयोगशाला की स्थापना हेतु भवन नहीं दी जाती है तो न केवल नगरीय निकाय नई लेदरी अर्थात् संयुक्त जिला अंतर्गत परीक्षण रहित होगा। अभाव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के खतरे में रहेगी। कलेक्टर ने कहा कि आर्थिक कारण को संयुक्त जिले के

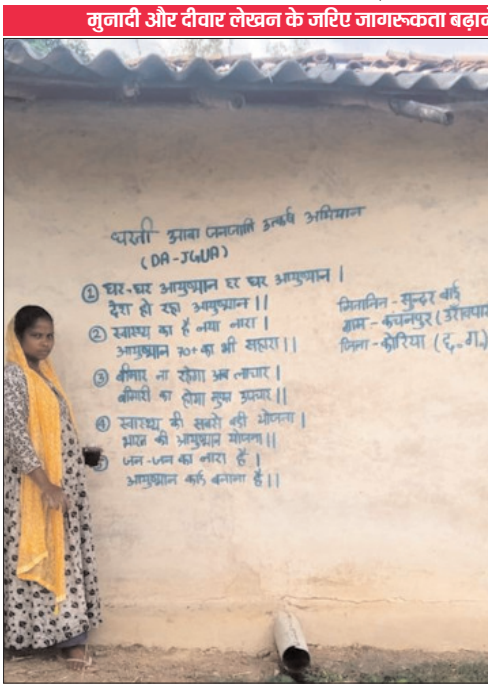
पतियों को साथ में बैठने की अनुमति नहीं मिलने पर महिला जनप्रतिनिधियों ने किया सामान्य सभा की बैठक का बहिष्कार

मनेन्द्रगढ़ (असिबकावाणी समाचार)। पतियों को साथ में बैठने की अनुमति नहीं मिलने पर निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों ने जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ की सामान्य सभा की बैठक का बहिष्कार कर दिया। बैठक में महिला जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने पतियों को बैठक में बैठने की मांग को लेकर उत्पन्न विवाद ने पूरी सभा को प्रभावित किया और अंततः बैठक की



को अस्वीकार किया, तो नाराज महिला जनप्रतिनिधियों अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, उपाध्यक्ष ज्योति गुणा एवं सदस्य शांति, सुरेशिया व रामबाई के द्वारा यह कहते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया गया कि हमारे पति अगर बैठक में शामिल नहीं होंगे तो हम सामान्य सभा का बहिष्कार करते हैं। बैठक नहीं हो पाने की वजह से प्रस्तावित कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं पर चर्चा अधूरी रह गई। भारतर में पंचायती राज को अस्वीकार किया, तो नाराज महिला जनप्रतिनिधियों अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, उपाध्यक्ष ज्योति गुणा एवं सदस्य शांति, सुरेशिया व रामबाई के द्वारा यह कहते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया गया कि हमारे पति अगर बैठक में शामिल नहीं होंगे तो हम सामान्य सभा का बहिष्कार करते हैं। बैठक नहीं हो पाने की वजह से प्रस्तावित कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं पर चर्चा अधूरी रह गई। भारतर में पंचायती राज

जिले के 154 ग्रामों में धरती आबा अभियान के तहत 15 जून से विशेष शिविर मुनादी और दीवार लेखन के जरिए जागरूकता बढ़ाने का प्रयास



कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 जून से विशेष शिविरों का आयोजन शुरू होगा। जिले के 154 चयनित आदिवासी बहुल ग्रामों में यह शिविर 30 जून 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन विपरीत के निर्देश पर इन ग्रामों में दीवार लेखन और कोटवारों के माध्यम से मुनादी कर अभियान का व्यापक प्रसार-प्रसार किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति/निवास प्रमाण पत्र, पेंशन योजनाएं, अनुदान भारत कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, जनधन खाता, पोषण क्लिनिक निधि, मुद्रा लोन, विद्युतकर्म योजना समेत लगभग 16 योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त होगा। शिविरों में स्वास्थ्य, पंचायत, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, कृषि, खाद्य, राजस्व विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से डिजिटल सेवाएं जैसे आधार ई-केवाईसी और दस्तावेज सत्यापन भी की जाएगी। कलेक्टर ने इन 154 ग्रामों के नागरिकों से अपील की है कि वे शिविरों में भाग लें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को सशक्त बनाएं। यह अभियान आदिवासी समाज को मुक्तधारण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

वित्त वर्ष 2025-26 के सम्पत्तिकर का 30 जून तक पूर्ण भुगतान करने वालों को 6.25 प्रतिशत की छूट दी जा रही

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग द्वारा 30 जून 2025 तक वित्त वर्ष 2025-26 के सम्पत्तिकर का पूर्ण भुगतान करने वाले सम्पत्ति करदाता नागरिकों को सम्पत्तिकर में 6.25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग को कोई भी सम्पत्ति करदाता नागरिक अनलाइन / ऑफलाइन सम्पत्तिकर भुगतान वादसमय, चैटबॉट क्यूआरकोड आदि उपलब्ध अनेक विकल्पों के माध्यम से अपनी सुविधा अनुसार दिनांक 30 जून या उसके पूर्व करके सम्पत्तिकर के चालू वित्त वर्ष 2025-26 के भुगतान में 30 जून तक अधिकतम 6.25 प्रतिशत की छूट प्राप्त कर सकते हैं। रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग द्वारा समस्त सम्पत्ति करदाता नागरिकों से 30 जून अथवा उससे पहले वर्ष 25-26 के अपने देय सम्पत्तिकर का पूर्ण भुगतान कर 6.25 प्रतिशत की अधिकतम छूट का लाभ अधिकधिक



संख्या में उठाने की अपील की है। इसमें वित्त नगरिक सम्पत्ति ज्ञान कार्यालय के राजस्व विभाग में सम्पत्ति स्थापित कर सकते हैं।



जगत के लिए राहत गरी खबर, सस्ता होगा
खाद्य तेल, मंहगाई से मिलेगी राहत!

नई दिल्ली, 12 जून। केंद्र की गोदी सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों के दामों को लेकर बढ़ा ऐलान किया। जानकारी के मुताबिक सरकार ने कच्चे सूरखमुची, सोयाबीन और पाम ऑयल जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर वैसिक सीमा शुल्क को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने को कहा है।

वता है, खाद्य मंत्रालय ने खाद्य तेल उद्योग संघों को यह आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार के निर्णय के बाद आयात शुल्क में कटौती का लाभ तत्काल उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए। खाद्य एवं सार्वजनिक विपणन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें यह आदेश दिया गया।

रायपुर, शुक्रवार 13 जून, 2025

Sport

छोटी खबरें

कोहली को कप्तान बनाकर उनका
संन्यास दाला जा सकता था



0-रवि शास्त्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 12 जून। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री उस समय भावुक हो गए जब वह विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास पर बात कर रहे थे। उन्होंने कोहली को कप्तानी में एक सफल दौर बिताया है और कई यादगार सीरीज जीतते हुए देखा है। उनका मानना है कि कोहली का संन्यास थोड़ा और सम्मोहकारी से संभाला जा सकता था। उन्हें कप्तान बनाकर उनके संन्यास को टाला जा सकता था। शास्त्री ने कहा, कोहली का टेस्ट से संन्यास लेना दुःख की बात है। यह एक महान खिलाड़ी है। जब कोई चला जाता है तभी लोग इसकी अहमियत समझते हैं। आंकड़े उनकी महानता को पूरी तरह नहीं दिखा सकते, उन्होंने खुद को टेस्ट क्रिकेट के दौरान विदेशी दौर में जित तरह पेश किया जो काफी महत्वपूर्ण था। लॉर्ड्स में टीम ने जैसे मेच पराजित हो लम्हा किसी सपने जैसा था और मुझे खुशी है कि मैं उस पल का हिस्सा था। शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि इस पूरे मामले को थोड़ा और अच्छे तरीके से संभाला जा सकता था, शायद उनसे ज्यादा बातचीत की जा सकती थी। अगर वह फैसला मेरे हाथ में होता तो मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दौरे बाद ही फिर से कप्तान बना देता। साल 2019 से 2024 तक कोहली ने 46 टेस्ट मैच खेले। इसकी 78 पारियों में 35.84 की औसत से सिर्फ 2,617 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 11 अर्धशतक निकले थे। कोहली ने 2 शतक साल 2019 में और 2 शतक 2023 में लगाए थे। 1 शतक पिछले साल आया था।

साल 2020, 2021 और 2022 में उनके बल्ले से 1 भी शतक नहीं निकला। इस दौरान वह भारत के लिए 19 टेस्ट मैच खेले थे। कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैचों की 210 पारियों में 46.85 की उम्दा औसत के साथ 9,230 रन बनाए थे। इस बीच नवाब 254 रन उनका सर्वोच्च स्कोर स्कोर रहा था।

3000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज?

0-वित्त मंत्रालय ने बी सफाई, पेटीएम के शेयर टूटे मुद्दे, 12 जून। आज पेटीएम के शेयरों में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, वित्त मंत्रालय के स्पष्टीकरण जारी किए जाने के बाद शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। वित्त मंत्रालय की ओर से स्पष्टीकरण में कहा गया है कि यूपीआई लेनदेन पर कोई मॉडल डिस्कॉन्ट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा। फिनेटेक कंपनियों के शेयर 864 रुपये पर कारोबार कर रहे थे और निगमिडिस्कॉन्ट 87 रुपये पर टूट कर रूप में उभरे।

वित्त मंत्रालय का स्पष्टीकरण उन रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि सरकार बैंकों और भुगतान सम्पन्ना प्रोवाइडर की सहायता के लिए 3,000 रुपये और उससे अधिक मुद्रा के लेनदेन पर एमडीआर लागू करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि सरकार लेंडर को मॉडल टर्नओवर के बजाय लेनदेन मूल्य पर एमडीआर लागू करने की अनुमति दे सकती है।

रिपोर्ट सामने आने के बाद पैट्रियम के शेयर तीन महीने के उच्चतम स्तर 978 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए थे। एमडीआर एक शुल्क है जो बैंक वार्षिक समग्र में भुगतान संबंधित करने के लिए व्यापारियों से लेते हैं। इससे पहले, व्यापारियों से कोई भुगतान पर कुछ लेनदेन मूल्य का 1 फीसदी एमडीआर शुल्क लगा जाता था, बाद में 2020 में सरकार ने देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एमडीआर शुल्क माफ कर दिया।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत पर एक नजर



सबसे बड़ी 'टेस्ट जीत' से India ने कोहराम मचाया

नई दिल्ली, 12 जून। भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने वाली है। कई बार भारतीय

टीम ने अपने शानदार खेल से इंग्लैंड को एकतरफा हराया है। इन जीतों में न सिर्फ टीम की मजबूती दिखी, बल्कि उन्होंने यह भी साबित

किया कि वह किसी भी परिस्थिति में बड़ी टीमों को मात देने का दम रखते हैं। ऐसे में आइए इंग्लैंड पर भारत की सबसे बड़ी जीत पर एक नजर डालते हैं।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी जीत साल 2016 में चेन्नई में मिली थी। उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 477 रन बनाए थे।

जवाब में भारतीय टीम ने करण नायर के शानदार लिहरे शतक (303 नाबाद) की बदौलत 759/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

इसके बाद इंग्लैंड की दूसरी पारी महज 207 रन पर सिमट गई और भारत ने यह मुकाबला पारी और 75 रनों से जीत लिया था।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी जीत साल 2024 में मर्मेशाला में मिली थी।

उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम सिर्फ 218 रन बना सकी।

जवाब में भारत ने शिहत शर्मा (103) और शुभमन गिल (110) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 631 रन बना दिए थे।

दूसरी पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम 195 रन ही बना पाई और भारत ने यह मुकाबला पारी और 64 रनों से अपने नाम किया। साल 2002 में हैडिंसे, नौ से अपने नाम किया था।

लॉर्ड्स में भारत ने इंग्लैंड को पारी और 46 रनों से हराया था।

इंग्लैंड में ये भारत की सबसे बड़ी जीत है।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल द्रविड़ (148), सचिन तेंदुलकर (193) और सौरव गांगुली (128) की शानदार पारियों के दम पर 628/8 का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 273 रन पर सिमट गई।

भारत ने उन्हें फॉलोअप दिया। दूसरी पारी में इंग्लैंड 309 रन ही बना सकी।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ अपनी चौथी सबसे बड़ी टेस्ट जीत साल 2016 में बानखोई स्टैडियम में दर्ज की थी।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 400 रन बनाए थे।

जवाब में भारतीय टीम ने मुरली विजय (136), विराट कोहली (235) और जसवीर राणा (104) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 631 रन बना दिए थे।

दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 195 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारत ने यह मुकाबला पारी और 36 रनों से अपने नाम किया था।

टेस्ट क्रिकेट: इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी साझेदारियां

नई दिल्ली, 12 जून। भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच टेस्ट क्रिकेट की प्रतिस्पर्धा हमेशा रोमांचक रही है, जिसमें कई ऐतिहासिक साझेदारियां दर्ज की गई हैं। अब एक बार फिर दोनों टीमों आमने-सामने होंगी, जब 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी।

ऐसे में आइए नजर डालते हैं उन सबसे बड़ी साझेदारियों पर, जिनमें भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ रखा है।

यों क्षण जब 2 खिलाड़ियों को एकजुट करने की पूरी मेहनत की दिशा बदल दी थी।

पहले स्थान पर गुंडप्पा विश्वनाथ और यशपाल शर्मा को यादगार जोड़ी है।

साल 1982 में चेन्नई टेस्ट के दौरान दोनों ने पहली पारी में तीसरे विकेट के लिए 316 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई थी। विश्वनाथ ने 222 रन बनाए,



HIGHEST PARTNERSHIP IN TEST CRICKET

जवकि यशपाल ने 140 रनों का शानदार पारी खेली थी। भारत ने 481/4 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। यशपाल और विश्वनाथ की यह साझेदारी आज भी याद की जाती है।

सूची में दूसरे स्थान पर गीतम गंभीर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी है।

साल 2008 में इंग्लैंड की टीम भारत के दौर पर आई थी। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच

नॉटिंगहम टेस्ट के दौरान 255 रनों की साझेदारी निभाई थी।

ये इंग्लैंड की घरती पर भारतीय बल्लेबाजों के द्वारा की गई सबसे बड़ी साझेदारी भी है।

पहले पारी उस टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी। गांगुली (136) और तेंदुलकर (177) की पारियों के दम पर टीम ने 521 रन बना दिए थे।

यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

यों स्थान पर भी गांगुली और सचिन की जोड़ी है। दोनों ने साल 2002 में लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान पहली पारी में चौथे विकेट के लिए 249 रन जोड़े थे।

भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी।

गांगुली (128) और तेंदुलकर (193) की शानदार पारियों के दम पर टीम ने 628/8 का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया था।

महान जोड़ी है।

दोनों ने साल 1996 में

व्यापार/फिल्म

किसानों के लिए बड़ी खबर! 20 जून को आरएगी पीएम किसान की 20वीं किस्त



पीएम किसान सम्मान निधि

नई दिल्ली, 12 जून। केंद्र सरकार के पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 20वीं किस्त इसी महीने जारी किए जाने की उम्मीद है। इस साल के लिए इस योजना की दूसरी किस्त 20 जून को 9.8 करोड़ पात्र किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

भारत सरकार और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) शुरू की है, जिसके तहत भारत के प्रत्येक पात्र किसान को 6,000 रुपये की वार्षिक सहायता मिलेगी, जो हर चार महीने में

2,000 रुपये के तीन बराबर भुगतानों में दी जाएगी। लेटेस्ट घोषणा में भारत सरकार ने अधिसूचित और अनिश्चित रूप से किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये देती है। 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना, गरीबों और हाथिए पर पड़े किसानों को तीन बराबर किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये देती है। मानसून की बुराई के करीब होने के साथ, जून की किस्त खरीफ फसल के मौसम की तैयारी कर रहे लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है। सबसे बढ़कर, यह उस अवधि के दौरान समय पर वित्तिय सहायता भी देता है जब दलदल लागत बढ़ जाती है।

एक जीवन रेखा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की शुरू की गई यह योजना पात्र किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये देती है। 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना, गरीबों और हाथिए पर पड़े किसानों को तीन बराबर किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये देती है। मानसून की बुराई के करीब होने के साथ, जून की किस्त खरीफ फसल के मौसम की तैयारी कर रहे लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है। सबसे बढ़कर, यह उस अवधि के दौरान समय पर वित्तिय सहायता भी देता है जब दलदल लागत बढ़ जाती है।

पंचायत सीजन 4 का ट्रेलर आउट, फुलेरा गांव बना चुनवाई अखाड़ा, सामने आई नई रिलीज डेट

पंचायत सीजन 4 को द वायरल फीवर ने प्रोड्यूस किया है। इसे दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने मिलकर बनाया है, लिखा है चंदन कुमार ने और दीपक कुमार मिश्रा और अश्वतथ विजयवर्गीय ने डायरेक्शन संभाला है। एक खास इंटरव्यू देवरासांड पर हुए अनोखे वॉटिंग मुकाबले में 6.5 मिलियन से ज्यादा फैंस ने टीम मंजू देवी या टीम क्रांति देवी को सपोर्ट किया और इसी जोश की वजह से नए सीजन की रिलीज डेट पहले कर दी गई। अब पंचायत सीजन 4 भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में 24 जून से सिर्फ प्रोड्यूस वॉटिंग पर स्ट्रीम होगा।

पंचायत सीजन 4 का जनवदलत और मनेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इसके साथ ही फैंस को एक और तोहफा मिला है, जो अब पहले से जल्दी, यानी 24 जून से स्ट्रीम होगा। पंचायत को प्रोड्यूस किया है द वायरल फीवर ने। इस सीजन की दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने मिलकर बनाया है, रिफ्ट लिखी है चंदन कुमार ने, और दीपक कुमार मिश्रा और अश्वतथ विजयवर्गीय ने डायरेक्शन संभाला है। फुलेरा नाम के काल्पनिक गांव में सेट 'पंचायत' का नया सीजन एक बार फिर छोटे शहर की हलचल, भावनाएं और ह्यूमर से भरपूर किस्तों से भरा होगा। इस बार नई चुनौतियों के साथ-साथ पुराने और प्यारे चेहरे फिर लौटेंगे और उनके साथ डेर सारे मनेदार दिव्यरत्न भी। शो में एक बार फिर नजर आउंगें जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुवीर यादव, फकर मलिक, चंदन राय, सानिका, दुर्गा कुमार्, सुनीता राजवार और पंकज झा जैसे शानदार कलाकार। 'पंचायत' के नए सीजन का ट्रेलर दिखाता है कि कैसे फुलेरा गांव इस बार चुनौती घमासान का मदन बनने वाला है, जहां आमने-सामने हैं मंजू देवी और क्रांति देवी। रैली के गीत, बड़े-बड़े वादों और जनवदलत प्रचार के साथ पूरा गांव जैसे किसी मेले में चल गया है। दोनों टीमों एक-दूसरे को पछाड़ें? की होड़ में जुटी हैं। और इसी चक्कर में गूंगे होत हैं अलसी खेल जैसे एक-दूसरे के ऊपर तंत्र कसना, शुरू इसांरों में सवाल उठाना और चुपचाप चलने चलना। गांव की गलियों में गुंजाते देसी गानों और जोश से भर नारों के बीच ये ट्रेलर बजा करता है एक फुल लोका देसी झुझा, जिसमें होगा मजा, ड्रामा और वो सारा तड़का जो फुलेरा की राजनीति के विजयवाज बना देता है। देखिए पंचायत सीजन 4 24 जून से सिर्फ प्रोड्यूस वॉटिंग पर।

'पंचायत' सीजन 4 के लॉन्च से पहले फैंस ने इस बार सिर्फ इंटरनल नहीं किया, बल्कि रिलीज डेट वगैरह में भी बड़ी भीमना किया है। साइट पर बनाए गए खास इंटरव्यू देवरासांड प्रोड्यूसमें पर फैंस ने टीम मंजू देवी और टीम क्रांति देवी के लिए ओपेरा वॉटिंग की।

शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में खुला, सेंसेक्स 132 अंक उछला, निफ्टी 25,196 पर



(मुंबई) सपाट पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 56 अंक ऊपर, निफ्टी 25,164 पर मुबई, 12 जून। कारोबारी शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में खुला। बीएसई पर सेंसेक्स 56 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,515.14 पर ओपन हुआ। वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.09 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,164.45 पर खुला।

जियो फाइनंशियल सर्विसेज के शेयर मुंबई को सुर्खियों में रहने के साथ है, क्योंकि ब्लैकबॉर्ड की संख्या इसके संयुक्त उद्यम को भारत में निवेश सलाहकार परिचालन शुरू करने के लिए

नियामक मंजूरी मिल गई है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे बढ़कर 85.46 पर पहुंचा। कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार हर निशान पर बंद हुआ। बीएसई पर सेंसेक्स 123 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,515.14 पर खोला हुआ। वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.15 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,164.45 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एक्सप्लैट टैक, टेक महिंद्रा, इंडोसिस्ट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स के शेयर टॉप गेजर के लिस्ट में शामिल रहे। जबकि पावर ग्रिड कॉर्प., अरुणा पीटर्स, मास्ति सुबुद्धी, इंडसइंड गैस, बजाज फाइनंसेज के शेयर टॉप लुजर के लिस्ट में शामिल रहे। स्मॉलकैप मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5 फीसदी की गिरावट आई। क्षेत्रीय मोर्चे पर, एक्स्प्रेससीटी, पावर, पीएसएल बैंक 0.5-1 फीसदी नीचे रहे, जबकि एल एंज मैस, फार्मा, आरटी 0.5-1.2 फीसदी ऊपर रहे। अमेरिका और भारत और चीन जैसे प्रमुख साझेदारों के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति के संकेतों के बीच अन्य एशियाई बाजारों के बीच गैर वजह को दिखाते हुए, दुनिया भर के भारत के वेंचमार्क सूचकांक में थोड़ी बढ़त दर्ज की गई।

